



Anurag Singh

21 Nov 2003

06:00 AM

Kichcha

Model: web-freekundliweb

Order No: 121251102

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 20-21/11/2003
दिन _____: गुरु-शुक्रवार
जन्म समय _____: 06:00:00 घंटे
इष्ट _____: 58:22:50 घटी
स्थान _____: Kichcha
राज्य _____: Uttar Pradesh
देश _____: India

अक्षांश _____: 28:54:00 उत्तर
रेखांश _____: 79:30:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:12:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 05:48:00 घंटे
वेलान्तर _____: 00:14:32 घंटे
साम्पातिक काल _____: 09:46:26 घंटे
सूर्योदय _____: 06:38:51 घंटे
सूर्यास्त _____: 17:16:07 घंटे
दिनमान _____: 10:37:15 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल) _____: दक्षिण
ऋतु _____: हेमन्त
सूर्य के अंश _____: 04:21:27 वृश्चिक
लग्न के अंश _____: 25:08:17 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: तुला - शुक्र
राशि-स्वामी _____: कन्या - बुध
नक्षत्र-चरण _____: हस्त - 4
नक्षत्र स्वामी _____: चन्द्र
योग _____: आयुष्मान
करण _____: तैतिल
गण _____: देव
योनि _____: महिष
नाड़ी _____: आद्य
वर्ण _____: वैश्य
वश्य _____: मानव
वर्ग _____: श्वान
युँजा _____: मध्य
हंसक _____: भूमि
जन्म नामाक्षर _____: ठ-ठकुर
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: वृश्चिक

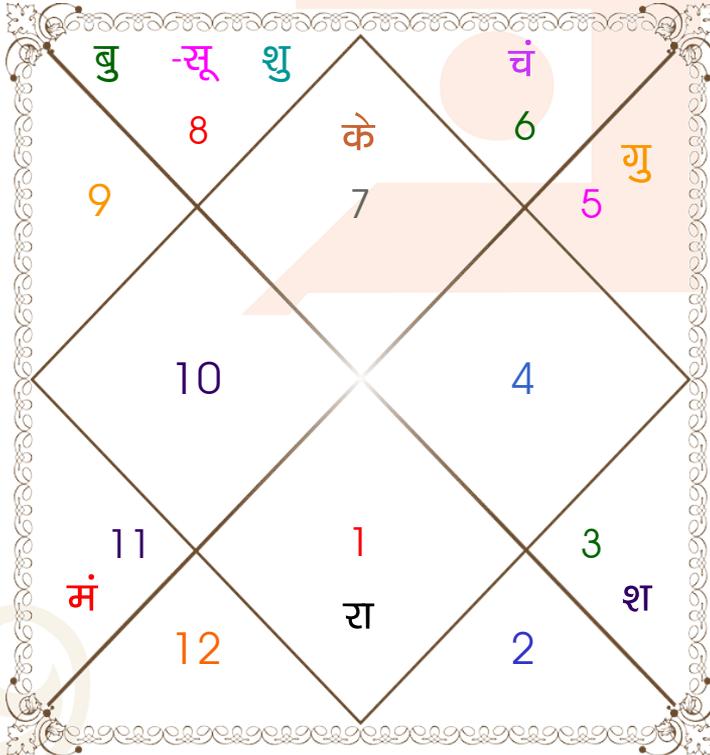
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	25:08:17	306:41:45	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	---
सूर्य			वृश्चि	04:21:27	01:00:36	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	मित्र राशि
चंद्र			कन्या	23:16:14	14:33:55	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	सूर्य	मित्र राशि
मंगल			कुंभ	22:14:48	00:29:44	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	सम राशि
बुध			वृश्चि	19:13:49	01:28:57	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	सम राशि
गुरु			सिंह	22:05:06	00:07:30	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	मित्र राशि
शुक्र			वृश्चि	28:36:31	01:14:32	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	सम राशि
शनि	व		मिथु	18:42:51	00:02:47	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	मित्र राशि
राहु			मेष	26:33:32	00:00:41	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	केतु	शत्रु राशि
केतु			तुला	26:33:32	00:00:41	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	सम राशि
हर्ष			कुंभ	05:03:15	00:00:38	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	सूर्य	---
नेप			मक	16:43:44	00:00:58	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	---
प्लूटो			वृश्चि	25:03:25	00:02:10	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	---
दशम भाव			सिंह	00:23:33	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	केतु	--

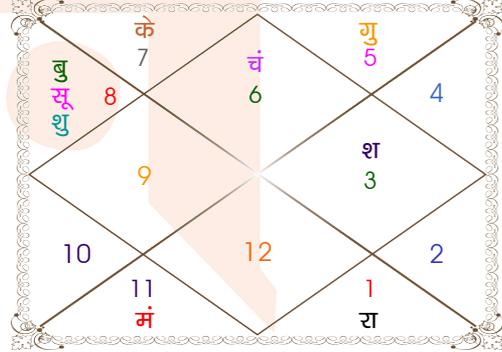
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:26

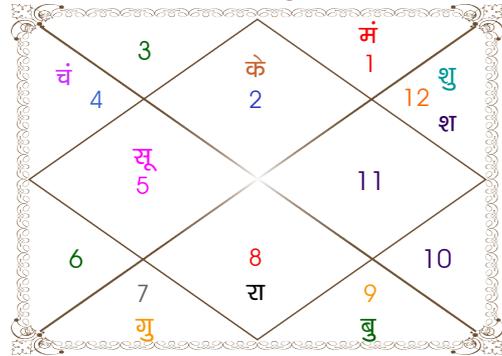
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 0 वर्ष 0 मास 17 दिन

चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष
21/11/2003	08/12/2003	08/12/2010	07/12/2028	07/12/2044
08/12/2003	08/12/2010	07/12/2028	07/12/2044	08/12/2063
00/00/0000	मंगल 05/05/2004	राहु 20/08/2013	गुरु 25/01/2031	शनि 11/12/2047
00/00/0000	राहु 24/05/2005	गुरु 13/01/2016	शनि 08/08/2033	बुध 20/08/2050
00/00/0000	गुरु 30/04/2006	शनि 19/11/2018	बुध 14/11/2035	केतु 29/09/2051
00/00/0000	शनि 08/06/2007	बुध 08/06/2021	केतु 20/10/2036	शुक्र 29/11/2054
00/00/0000	बुध 05/06/2008	केतु 26/06/2022	शुक्र 21/06/2039	सूर्य 11/11/2055
00/00/0000	केतु 01/11/2008	शुक्र 26/06/2025	सूर्य 08/04/2040	चंद्र 11/06/2057
00/00/0000	शुक्र 01/01/2010	सूर्य 21/05/2026	चंद्र 08/08/2041	मंगल 21/07/2058
21/11/2003	सूर्य 09/05/2010	चंद्र 20/11/2027	मंगल 15/07/2042	राहु 27/05/2061
सूर्य 08/12/2003	चंद्र 08/12/2010	मंगल 07/12/2028	राहु 07/12/2044	गुरु 08/12/2063

बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष
08/12/2063	07/12/2080	08/12/2087	09/12/2107	08/12/2113
07/12/2080	08/12/2087	09/12/2107	08/12/2113	22/11/2123
बुध 06/05/2066	केतु 05/05/2081	शुक्र 08/04/2091	सूर्य 28/03/2108	चंद्र 09/10/2114
केतु 03/05/2067	शुक्र 05/07/2082	सूर्य 08/04/2092	चंद्र 26/09/2108	मंगल 10/05/2115
शुक्र 03/03/2070	सूर्य 10/11/2082	चंद्र 07/12/2093	मंगल 01/02/2109	राहु 08/11/2116
सूर्य 07/01/2071	चंद्र 11/06/2083	मंगल 07/02/2095	राहु 27/12/2109	गुरु 10/03/2118
चंद्र 08/06/2072	मंगल 08/11/2083	राहु 06/02/2098	गुरु 15/10/2110	शनि 09/10/2119
मंगल 05/06/2073	राहु 25/11/2084	गुरु 08/10/2100	शनि 27/09/2111	बुध 10/03/2121
राहु 23/12/2075	गुरु 01/11/2085	शनि 09/12/2103	बुध 02/08/2112	केतु 09/10/2121
गुरु 30/03/2078	शनि 11/12/2086	बुध 09/10/2106	केतु 08/12/2112	शुक्र 09/06/2123
शनि 07/12/2080	बुध 08/12/2087	केतु 09/12/2107	शुक्र 08/12/2113	सूर्य 22/11/2123

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 0 वर्ष 0 मा 17 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विश्वाखा नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर वृष राशि का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण उदित था। इस जन्म प्रभाव से ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप बहुत चालाक एवं धूर्त व्यक्ति हैं। आप धन संचय करने में कोई अवरुद्धता नहीं चाहते। आप अपनी महत्वाकांक्षा से संबंधित कार्य संपादन में एक भाग्यशाली प्राणी हैं। आपके जीवन की उज्वलता किसी भी प्रकार से निपटाएंगे। परंतु आपके जीवन का सर्वप्रथम 21 वें वर्ष से 28 वे वर्ष तथा द्वितीय 28 वे वर्ष से 34 वें वर्ष तक का समय अति अनुकूल एवं प्रगतिकारक समय रहेगा।

आपके जीवन में धन उपार्जन से संबंधित दूर-दूर तक कतिपय संबंध रहेंगे। अर्थात् आपके संबंध धनोपार्जन में सहायक होंगे। आप अपने दिमाग को तथाकथित रूप से द्वि-पक्षीय रखकर प्रेरित करते हो तथा अपने धनकोष को विज्ञापित करके प्रस्तुत करते हो। आप सदैव अन्यो के प्रति इर्ष्या रखते हों तथा अपनी संपत्ति उर्पाजन के लिए सदैव प्रेरित रहते हो। आपकी शक्ति अन्यो की अपेक्षा अति उत्तम है।

आप निःसंदेह अति कुशाग्र बुद्धि के हैं तथा आपकी संलग्नता उज्वल भविष्य का प्रतीक है। आपको यह ज्ञात है कि अपना जीवन किस प्रकार व्यतीत करना चाहिए। परंतु आपका अड़ियल पन आपकी अपरिपक्वता की सूचना है। जन सामान्य आपके इस व्यवहार को पसंद नहीं करते। अतः कुछ व्यक्ति आपके प्रतिपक्षी हो जाते हैं। परंतु आपका दृढ़ रचनात्मक चरित्र आपका सहायक होकर विपक्षी को अंत समय में पराजित कर देते हैं। इस प्रकार वे लोग सदैव आपका तहेदिल से समर्थन करते हैं।

अतएव आप अच्छी प्रकार अपनी योजना की वास्तविकता को धीरे-धीरे कार्यान्वित करेंगे। इस प्रकार आप अपने क्षतिग्रस्त राह को पुननिर्मित करें। यदि आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को समझ लें तो आप अत्यंत लाभ प्राप्त कर सकते हैं। आप अपने मित्रतापूर्ण व्यवहार हेतु सक्षम होकर अपने लाभ जनक प्रवृत्ति में वृद्धि करेंगे।

आपको अपने व्यवसाय एवं अपनी गृह व्यवस्था के प्रति युक्ति संगत होना चाहिए। आपको अपने आनंदप्रद गृह व्यवस्था हेतु अपनी पत्नी के साथ मत्तैक्यता रखनी चाहिए।

आप मात्र अपनी जीवन संगिनी के साथ क्षणिक प्रेम संबंध न रखें। आपको सदैव ही नये प्रेम संबंध के प्रति संपर्क असंतोषजनक और अस्थायी है। अन्तोगत्वा आपको अपने प्रेम संबंध में समानता हेतु आश्वस्त होकर पारिवारिक जीवन को आनन्दमय बनाना चाहिए।

आप अपने व्यवसाय हेतु वैदेशिक पर्यटन एजेन्सी का व्यवहार कर सकते हैं। आप अपने व्यवसाय हेतु शेयर मार्केट का कार्य भी कर सकते हैं।

आप विविध प्रकार के उत्तेजक कार्यकलाप आपकी वृद्धावस्था में रोगग्रस्त होने का सूचक है जिस वजह से आप कई प्रकार के रोगों से अक्रान्त हो सकते हैं। यथा मस्तिष्क रोग, ट्यूमर आदि रोग से प्रभावित हो सकते हैं। अतः आपको विधिवत अपने खान-पान के संबंध

अपने डाक्टर से सतत परीक्षण कराते रहना चाहिए।

आपके लिए अंकों में उपयुक्त अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक धनोपार्जन हेतु पूर्ण अनुकूल है। आपके लिए अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए रंगों में रंग हरा एवं पीला रंग अनुपयुक्त हैं। आपके लिए रंग नारंगी एवं सफेद रंग मनभावन एवं शुभ है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नहीं है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

